मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रतिवेदन

1अप्रैल,2017 से 31 मार्च, 2018

- मंडी साक्षरता समिति का गठन व उसकी पृष्ठभूमि
- सांगठनिक
- सुक्ष्म बीमा कार्यक्रम।
- नाबार्ड पोषित परियोजनाएं

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति
सौली खड्ड,मंडी, जिला मंडी, (हि.प्र.)–175001

दूरभाषः– 01905–237478,237878 website: msjvs.in

जन शिक्षा,स्वास्थ्य और विकास के लिए कटिबद्ध

मंडी साक्षरता समिति का गठन व उसकी पृष्ठभूमि

मंडी जिला में साक्षरता अभियान की शुरूआत के लिए प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में संगठित किया ताकि लोगों को वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति बेहतर समझ विकसित की जा सके तथा समाज के विकास में उनके योगदान के प्रति अवगत करवाया जा सके। समाज में इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण की जरूरत थी जो कला जत्थे कार्यक्रम ने पूरी की। पूरे देश में पांच क्षेत्रीय कला जत्थों को प्रशिक्षित किया गया तथा उनके द्वारा 25 हजार कि.मी. की दूरी तय कर 500 से ज्यादा स्थानों पर कार्यक्रम दिखाये गये। यह कार्यक्रम यूं तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी दिखाए गए। परंतु मंडी के लिए ये कार्यक्रम खास इसलिए थे क्योंकि मंडी के एक साथी कुलदीप गुलेरिया इसमें शामिल थे। जिला में कुछ जागरूक नवयुवकों में कुछ कर गुजरने का जुनून सा सवार हो गया। उनमें नव चेतना का संचार हुआ। ऐसा महसूस किया गया कि इन कला जत्थों का प्रभाव शहर तक ही सीमित रहा क्योंकि ये कार्यक्रम शहरों तक सीमित रहे जबकि गांवों में इन कार्यक्रमों की अधिक जरूरत थी। तब यह सोच राज्य स्तर पर उभर कर आई कि वैज्ञानिक चेतना को गांवों तक ले जाने से पहले साक्षरता अभियान की जरूरत है। यही एक ऐसा माध्यम होगा जिसके जरिये देश के पिछड़े, व शोषित आदमी तक पहुंचा जा सकता है। इस अभियान की लोकप्रियता के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को केरल के अर्नाकुलम जिले में चले साक्षरता अभियान आदर्श मॉडल के रूप में मिला। इसके लिए भी जन विज्ञान जत्था चलाने की जरूरत थी ताकि वातावरण निर्माण किया जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर डा. मालकोम आदिशेषैयया की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति का गठन किया गया। डा. एम.पी. परमेश्वरन इसके सचिव बनाए गए।

वर्ष 1990 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष के रूप में मनाया गया। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आत्म निर्भरता व राष्ट्रीय एकता के लिए विज्ञान और साक्षरता का नारा देकर देश के लगभग 6 लाख गांवों में साठ हजार केन्द्रों में भारत ज्ञान विज्ञान जत्थे आयोजित करने का आहवान किया। मंडी जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। 25जून,1990 को जिला स्तरीय सम्मेलन में ही एक कला जत्थे का गठन हुआ जो थोड़े से प्रशिक्षण के बाद गांव गांव में साक्षरता की मशाल जलाने चल पड़ा। उसी जत्थे ने लोगों में साक्षरता के विषय को चर्चा का मुद्दा बनाया। जत्थे द्वारा तैयार नाटक कथा रामदीन के मुख्य पात्र रामदीन में गांव वालों को अपना अक्स नजर आया। तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की मंडी इकाई का गठन किया गया। मंडी में यहीं से साक्षरता अभियान का सूत्रपात हुआ।

जिला मंडी में 5 फरवरी,1992 को विधिवत ढंग से मंडी साक्षरता समिति का गठन सोसायटी एक्ट 1860 के तहत कर दिया गया था। तत्कालीन अतिरिक्त उपायुक्त श्री जी.एस.राठौर समिति के अध्यक्ष बने और प्रो. सुंदर लोहिया सचिव बनाए गए। फरवरी माह में ही मंडी जिला के लिए अलग से साक्षरता परियोजना तैयार की गई। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद जन सहयोग व इधर उधर से पैसा इकट्ठा करके निरक्षरता के खिलाफ पढ़े–लिखे लोगों को एकजुट करने का प्रयास शुरू हो चुका था। 2से 8 मार्च,1992 में शिवरात्रि मेले के दौरान साक्षरता के प्रचार व इसके लिए माहौल बनाने तथा जन भागीदारी के लिए साक्षरता प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में आए जिला के दूर दराज के गांव के लोगों ने अपनी भागीदारी निभाने का वायदा भी किया। समिति द्वारा संपूर्ण साक्षरता, उत्तर साक्षरता, सतत शिक्षा, संपुर्ण स्वच्छता अभियान, स्वयं सहायता समूहों के गठन व लिर्केंज परियोजनाओं तथा सुक्ष्म बीमा के तहत बेहतरीन कार्य किया जा रहा हैं। उपायुक्त एवम् अतिरिक्त उपायुक्त बतौर संरक्षक के रूप में तथा वर्तमान में समिति स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हैं जो एक छत के नीचे कई परियोजनाओं का संचालन कर रही है।

संगठनात्मक :

समिति की 28 सदस्यीय साधारण सभा में से 18 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पदाधिकारी व कोर समूह का गठन किया गया जिसमें 9 सदस्य होगें।

क्र	नाम	पद	मोबाईल	फोटो
1	श्री हेमंत राज वैद्य	अध्यक्ष	94181- 00333	
2	श्री राजेंद्र मोहन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	94184- 94222	
3	श्री जोगिन्द्र वालिया	उपाध्यक्ष	94180- 23354	
4	श्री भीम सिंह	महासचिव	94180- 73190	
5	डा. वीना वैद्य	सचिव	94184- 56803	
6	श्री मुरारी शर्मा	सह सचिव	94180-25190	
7	श्री तिलक राम चौहान	सह सचिव	94181-64779	
8	श्रीमती सुनीता बिस्ट	सह सचिव	94180-85651	
9	श्री ललित शर्मा	कोषाध्यक्ष	94181-64777	
10	श्री भूपेंद्र सिंह	कार्यकारिणी सदस्य	94180-35530	

11	श्री बीरबल शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य	94180-40040	
12	डा. विजय विशाल	कार्यकारिणी सदस्य	94181- 23571	
13	श्री नरपत राम	कार्यकारिणी सदस्य	94183- 71321	
14	श्री एनआर ठाकुर	कार्यकारिणी सदस्य	94184- 83177	
15	श्री नवल किशोर	कार्यकारिणी सदस्य	94186- 53288	
16	श्री सेवक राम	कार्यकारिणी सदस्य	94181-64778	
17	श्री कांशी राम	कार्यकारिणी सदस्य	94185-90074	
18	श्री देवेंद्र कुमार	कार्यकारिणी सदस्य	94182-77268	
19	श्री श्याम सिंह चौहान	साधारणसभा सदस्य	98170- 10786	
20	श्री देश राज शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94181- 58281	
21	डा. कमल प्यासा	साधारण सभा सदस्य	98821- 76248	

22	श्री कुलदीप गुलेरिया	साधारण सभा सदस्य	94181- 44703	
23	श्री संजीव ठाकुर	साधारण सभा सदस्य	94184-99553	
24	श्री भगत सिंह	साधारण सभा सदस्य	94180- 37815	
25	श्री खेमसिंह	साधारण सभा सदस्य	94184- 19729	
26	श्रीमती मीरा शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94182-75772	
27	श्रीमती जयंवती	साधारण सभा सदस्य	94186- 52243	
28	श्री गजेन्द्र शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94180-04088	

जिला स्तर पर पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का विवरण

क्र	नाम	पद
1	भीम सिंह,	परियोजना समन्वयक
2	ललित शर्मा	परियोजना समन्वयक
3	देवेंद्र कुमार	कम्प्यूटर आप्रेटर
4	कांशी राम	लेखापाल
5	गजेंद्र शर्मा	कार्यक्रम समन्वयक
6	बालम राम	सहा.परि.सम.
7	संतोष कुमारी	कार्यालय सहायक
8	डागी राम	केयर टेकर एवम् संदेशवाहक
9	रीता देवी	कार्यालय सहायक

खंड स्तर पर पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का विवरण

क्र	खंड	खंड समन्वयक का नाम
1	सदर	सुनीता देवी
		चन्द्रावती
2	बल्ह	नंदलाल
		कांता देवी
3	सुंदरनगर	सेवक राम
		प्रेम सिंह
		देविंद्रा ठाकुर
4	करसोग	ठाकुर सिंह
		ज्ञानचंद वर्मा
		तिलक राम चौहान
5	धर्मपुर	नरेन्द्र सिंह
6	गोपालपुर	मानसिंह
		सुनीता पटियाल
		रोशनी देवी
7	द्रंग	लता गोस्वामी
		प्रताप सिंह
8	चौंतड़ा	दान सिंह
		राजेद्र सिंह
9	गोहर	लालमन
		मनी राम
10	सराज	खुबे राम
		लवली
11	बालीचौकी	मोहन भारती
		पुरषोतम शर्मा
12	निहरी	ज्ञान शर्मा

समिति द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाएं/ योजनाएं

1.सूक्ष्म जीवन बीमा योजना

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा मार्च 2009 में भारतीय जीवन बीमा निगम से इकरार किया तथा सुक्ष्म बीमा की ऐजेंसी ली। वर्ष 2005 में तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. डा. अब्दुल कलाम ने देश के आम जन तक बीमा की सुविधा पहुंचाने हेतु सूक्ष्म बीमा के नाम से योजना आरंभ की। इस कार्य हेतु समिति के दो मुख्य मकसद थे। एक तो गरीब आदमी को बीमा (सामाजिक सुरक्षा) से जोड़ना और दूसरा बीमा के नाम पर कुछ चिटफंड कंपनियों द्वारा आम जनता को लूटने से बचाना। भारतीय जीवन बीमा निगम क्योकि भारत सरकार का उपक्रम है।

इस योजना के अंतर्गत जिला में गरीब लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने व उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने के लिये कार्य किया जा रहा है। आर्थिक रूप से मजबूत जब कोई व्यक्ति होता तो वह बचत व भविष्य में आने वाली समस्याओं व विपदाओं के बारे में भी सोचेगा। दूसरी तरफ सामाजिक सुरक्षा तक भी पहुंच उसी सम्पन्न वर्ग की है चाहे बीमा एंजेट हों या सरकार द्वारा संचालित दूसरे सामजिक सुरक्षा के कार्यक्रम हो। भविष्य के लिए बचत और सामाजिक सुरक्षा भी इस अभियान के हिस्सा होंगे। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास किया जायेगा।

सूक्ष्म बीमा भाग्य लक्ष्मी

परिपक्वता की तिथि पर जीवित रहने पर बशर्ते कि पॉलिसी चालू अवस्था में हो, परिपक्वता राशि का भुगतान किया जायेगा। जोकि कुल प्रीमियम राशि के 110प्रतिशत के समान होगा। (कर तथा अतिरिक्त प्रीमियम यदि हो तो, को छोड़कर)। मृत्यु हित लाभ–पॉलिसी अवधि के दौरान मृत्यु होने पर ,बर्शेते कि पॉलिसी चालू अवस्था में हो, मृत्यु हितलाभ बीमित राशि के बराबर होगा। न्यूनतम बीमा राशि 20हजार, अधिकतम 50 हजार है। आयु 18 से 55 वर्ष न्यूनतम। भुगतान अवधि 5वर्ष अधिकतम 13 वर्ष। प्रीमियम भुगतान

वार्षिक, छमाही, तिमाही व मासिक आधार पर। इसके अलावा 60 दिनों का ग्रेस पीरियड है।

समिति द्वारा निरंतर स्वयं सेवियों को चिहिन्त किया जा रहा है तथा आज तक 600 से अधिक बीमा मित्र समिति के साथ जुड़े हैं। समिति अब तक जिला में 1लाख 5 हजार लोगों तक अपनी पहुंच बना पाई है। जीवन मधुर, जीवन दीप, जीवन मंगल, भाग्य लक्ष्मी, न्यू जीवन मंगल आदि योजनाएं 20हजार से दो लाख तक की सुरक्षा प्रदान करती हैं। सूक्ष्म बीमा ही केवल मात्र ऐसा है जहां कम प्रीमियम से अधिक बीमा मिलता है और पॉलिसी धारक द्वारा दी गई राशि भी निर्धारित समय में वापिस मिलती है। अब तक 3445 लोगों को उनकी राशि समय अवधि पूरा होने पर प्राप्त हो चुकी है। अब तक 525 लोगों की घटना व दुर्घटना पर उनके परिजनों को करीब 2करोड़ सहायता मिल चुकी है। समिति द्वारा वर्ष 2017–18 में 74 बीमा गांव बनाए हैं। समिति पिछले 3 वर्ष में हर बार उत्तरी भारत में प्रथम स्थान पर रही है। वर्ष 2017–18 में समिति ने 20219 बीमा बनाकर देश में एक नम्बर का स्थान प्राप्त किया है।

खंड बार पॉलिसी विवरण

क्र	**खंड का नाम**	**सब कोड**	**कुल पॉलिसी1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018**	**बीमा गांव**
1	सदर	40090001	2338	5
2	बल्ह	40090002	2963	15
3	सुंदरनगर	40090003	1262	4
4	करसोग	40090004	2105	2
5	धर्मपुर	40090005	1646	9
6	गोपालपुर	40090006	2049	9
7	द्रंग	40090007	904	6
8	चौंतड़ा	40090008	1474	6
9	गोहर	40090009	1187	5
10	सराज	40090010	1686	7
11	बालीचौकी	40090011	2404	6
12	निहरी	40090012	201	0
	कुल जोड़		**20219**	**74**

जनवरी 2018 में खंड बार सर्वश्रैष्ठ बीमा मित्रों की सूची

क्र	खंड का नाम	सब कोड	सहायक अभिकर्ता का नाम	कुल पॉलिसी
1	बालीचौकी	1111	पीरू राम	1328
2	बालीचौकी	1115	पुरषोत्तम	1290
3	द्रंग	701/751	रेखा	540
4	सदर	144	भावना	521
5	गोहर	931	भामा देवी	520
6	धर्मपुर	526	मीना	490
7	बल्ह	206	कांता देवी	478
8	बालीचौकी	1124	कमला	463
9	बल्ह	207	वीना	456
10	बालीचौकी	1106	हिमा देवी	450

बीमा गांव वर्ष 2017–18

समिति द्वारा वर्ष 2017–18 में 74 बीमा गांव बनाये हैं। बीमा गांव बनाने पर गांव के विकास के लिए 35 हजार रूपये भारतीय जीवन बीमा के रूप में दिये जाते है जो गांव के विकास के लिये खर्च किये जाते है। बीमा गांवों की सूची निम्न प्रकार से हैः–

क्र. स.	बीमा गाँव	खंड का नाम	कोड संख्या	बीमा मित्र	महिला मण्डल का नाम
1	गियून–1	धर्मपुर	574	रेखा देवी	महिला मण्डल गियून–1
2	सधोट–1	धर्मपुर	558	मीता देवी	महिला मण्डल सधोट–1
3	सधोट–2	धर्मपुर	573	उर्मिला देवी	स्वयं सहायता समूह सधोट
4	गियून–2	धर्मपुर	576	ओमप्रकाश	महिला मण्डल गियून–2
5	खैड़ी	धर्मपुर	575		
6	रखेड़ा	धर्मपुर	559,577	बबलू राम	
7	हरयानाल	धर्मपुर	535,543	सराज,मीना देवी	महिला मण्डल हरयानाल
8	बनेहरड़ी	धर्मपुर	543	मीना भारद्वाज	महिला मण्डल बनेहरड़ी
9	सोमगाड	बालीचौकी	1115	पुरूषोतम शर्मा	
10	थाचा धार	बालीचौकी	1111–1129	पीरूराम	पुनम महिला मण्डल बाड़
11	थाची	बालीचौकी	1101	शकुन्तला देवी	
12	दडवास	बालीचौकी	1101	शकुन्तला देवी	
13	भुराह	बालीचौकी	1124	कमला	महिला मण्डल मारकण्डेय सुनारू
14	रिगढ़	बल्ह	2014	अन्जना कुमारी	
15	कैहढ़	बल्ह	2014	अन्जना कुमारी	

16	चवाड़ी	बल्ह	2014–221	अन्जना कुमारी,बीना देवी	
17	लोहारा	बल्ह	235–214	मीना देवी,सीता देवी	महिला मण्डल लोहारा
18	रठोल	बल्ह	207	वीना शर्मा	
19	बटाहण	बल्ह	218	मीरा देवी	महिला मण्डल बटाहण
20	टिक्कर	बल्ह	254	रीना देवी	महिला मण्डल टिक्कर
21	डडौर	बल्ह	212–2017	सुनिता देवी,जसवन्त कौर	महिला मण्डल डडौर
22	चतरौर	बल्ह	223–236	इन्दिरा देवी, जुध्या शर्मा	महिला मण्डल चतरौर
23	रत्ती	बल्ह	227	मन्जु देवी	महिला मण्डल मलथेहड़
24	मराथु	बल्ह	218	मीरा शर्मा	महिला मण्डल मराथु
25	सकरोहा	बल्ह	2021	गीता देवी	महिला मण्डल सकरोहा
26	भ्यारटा	बल्ह	298	लता देवी	महिला मण्डल भ्यारटा
27	तरयाम्बला	बल्ह	292	हिमा देवी	शिव शक्ति महिला मण्डल कठ्यांउं
28	बनयाट	बल्ह	213	जमना देवी	महिला मण्डल बनयाट
29	माहोटा	करसोग	447	सीमा	महिला मण्डल माहोटा
30	कोट कपड़यास	करसोग	447	सीमा	महिला मण्डल शरण बिगण
31	कुलथनी	सराज	1060–1059	दूर्गी देवी,तारा कमला	स्वयं सहायता समूह जयदेव मतलोड़ा
32	थुनाग	सराज	1027–1056–1028	रिम्पी देवी, खमदासी,रीना कुमारी	महिला मण्डल सुरागी
33	जूड़	सराज	1027,1028,1056	रिम्पी देवी,खेमदासी,रीना कुमारी	महिला मण्डल माईधार,महिला मण्डल जूड़
34	ब्रुंग	सराज	1024,1047,1039	ईशा देवी,चम्पा देवी,दिलू देवी	माता दुर्गा महिला मण्डल,महिला मण्डल ब्रुंग
35	जंजैहली	सराज	1020,1029,1028	जयवन्ती,उषा शर्मा,रीना देवी	महिला मण्डल गुटाटण
36	खेलधार	सराज	1028,1021,1040	पिंकी देवी,मोहणी देवी,रीना देवी	स्वयं सहायता समूह खेलधार
37	बुखलवार	सराज	1027,1028,1056	रिम्पी देवी,खमदासी,रीना कुमारी	महिला मण्डल बुखलवार
38	बिजणी	सदर	182	सरोज कुमारी	
39	बटाहर	सदर	126	नर्वदा देवी	
40	लरवाहन	सदर	186	उमा जमवाल	महिला मण्डल पावन
41	अरनोडी	सदर	189	तुलसी देवी	महिला मण्डल महादेव
42	रोपा	सदर	195	कान्ता देवी	कृषि महिला मण्डल रोपा
43	धार	सुन्दरनगर	392	टेकचन्द	महिला मण्डल धार बोढल
44	गुड्डीधार	सुन्दरनगर	383	सोना देवी	
45	पतयोरा	सुन्दरनगर	389,387	सरला देवी, गीता देवी	
46	द्रमण	सुन्दरनगर	394	अन्जु देवी	
47	साहल	द्रंग	770		
48	बड़ीधार	द्रंग	763–772		

49	बनौण	द्रंग	765	गायत्री देवी	
50	सिंगड़ी	द्रंग	768		
51	मलोग	द्रंग	764,744		
52	भटेहड़	चौंतड़ा	861	सुमना देवी	महिला मण्डल भटेहड़
53	चक्कली	चौंतड़ा	862	माया देवी	महिला मण्डल चक्कली
54	मठाथाणा	चौंतड़ा	844	लता देवी	महिला मण्डल मठाथाणा
55	कथौण	चौंतड़ा	844	लता देवी	महिला मण्डल कथौण
56	बड़ाठाना	चौंतड़ा	844	लता देवी	महिला मण्डल बड़ाठाना
57	डूल	चौंतड़ा	851	दर्शना देवी	महिला मण्डल डूल
58	सरन	गोहर	931	भामा देवी	हडिम्बा महिला,मण्डल,सरन
59	मझार	गोहर	926	डोलमा ठाकुर	,,,,,,,,,,,,,,,
60	दारन	गोहर	945	सौजुराम	
61	काथला	गोहर	936	द्रोमती देवी	महिला मण्डल लक्ष्मी (काथला)
62	काण्ढी	गोहर	919	आशा कुमारी	महिला मण्डल जुगास
63	सदोह	गोपालपुर	679	लक्ष्मी देवी	महिला मण्डल सदोह
64	गोभरता	गोपालपुर	685	चम्पा शर्मा	महिला मण्डल गोभरता
65	छात्र	गोपालपुर	690	निशा देवी	महिला मण्डल छात्र रीहड़ा
66	धनालग	गोपालपुर	642	जयदेव	महिला मण्डल धनालग
67	भटोहछेक	गोपालपुर	663	नितु	महिला मण्डल भटोहछेक
68	कुठेहड़ा	गोपालपुर	682	सोनिया शर्मा	महिला मण्डल कुठेहड़ा
69	बड़ा समाहल	गोपालपुर	606	सन्तोष कुमारी	महिला मण्डल बड़ा समाहल
70	कारनी	गोपालपुर	689	रीना देवी	महिला मण्डल कारनी
71	घोड़ी	गोपालपुर	693	सुनिता देवी	महिला मण्डल घोड़ी
72	समौण				
73	कुन्दल	दगं	771	खुबसिंह	महिला मण्डल कुन्दल

2.नाबार्ड पोषित परियोजनाएं

1000 व 500 महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना

1000 व 500 महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना की समय अवधि भी नाबार्ड द्वार 31 दिसम्बर 2018 तक बढ़ाई गई है। जिसमें समस्त समूहों का ऑडिट व प्रशिक्षण समिति द्वारा समूहों को दिया जा चुका है।

स्वयं सहायता समूहों की डिजीटाईजेशन परियोजना

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नाबार्ड स्वयं सहायता समूहों का डिजीटाईजेशन संबंधी परियोजना स्वीकृत हुई है। आठ खंडों में समूहों के डिजीटाईजेशन का कार्य जारी है जिसमें समिति द्वारा 3613 समूहों का लक्ष्य रखा था अब तक 3627 समूहों को ऑनलाइन किया जा चुका है। इस कार्य हेतु 120 ऐनीमेटरों को नियुक्त किया गया हैं। डिजिटाईजेशन के द्वितीय चरण में इन समूहों को मोबाईल एप्लीकेशन पर अपलोड किये गये है तथा समस्त ऐनीमेटरों को इस परियोजना के तहत मोबाईल उपलबध करवाये गये हैं जिसमें वे हर माह समूहों के डाटा को अद्यतन करते रहेंगे। खंड बार ईशक्ति कार्यक्रम के तहत अपग्रेडेशन बैंक लिकेंज व ऑडिट का विवरण निम्नलिखित है:–

क्र.	खंड का नाम	ईशक्ति ऐप में कुल समूह	अपडेट का कार्य	कुल बैंक लिकेंज 31मार्च, 2018	कुल ऑडिट 31मार्च, 2018
1.	सदर	789	770	226	789
2.	सराज+ बालीचौकी	387	387	139	387
3.	सुंदरनगर	371	370	179	371
4.	करसोग	600	597	214	600
5.	द्रंग	335	334	117	335
6.	चौंतड़ा	343	343	163	343
7.	धर्मपुर	283	278	138	283
8.	गोपालपुर	519	517	277	519
	कुल	**3627**	**3596**	**1453**	**3627**

सभी ऐनीमेटर स्वयं सहायता समूहों के रजिस्टर में ईशक्ति जिसमें वित्त संबंधी बैंक लिकेंज का लेखा जोखा होता है, का प्रिंट लगाते हैं। इस परियोजना के तहत समस्त ऐनीमेटरों को मोबाईल प्रदान किये गये तथा ऐप संबधी प्रशिक्षण खंड व जिला स्तर पर परियोजना समन्वयक नाबार्ड द्वारा दिया गया। ऐनीमेटरों द्वारा स्वयं सहायता समूहों का डाटा मोबाईल में अपडेट किया गया जिसका वित्त संबंधी लेखा मार्च,2018 तक अपडेट किया गया है।

150 संयुक्त देयता समूह

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नाबार्ड के माध्यम से 150 संयुक्त देयता समूहों की परियोजना स्वीकृत हुई है। जिसमें से समिति द्वारा अब तक 165 संयुक्त देयता समूहों का गठन तथा 10 समूहों के बचत खाते तथा 136. समूह बैंक से लिंक किये जा चुके हैं जिसका खंड बार विवरण इस निम्न प्रकार से हैः–

क्र	खंड का नाम	गठन	बचत खाते	कुल बैंक लिकेंज
1	सदर	20	39	35
2	बल्ह	20	13	13
3	सुंदरनगर	15	5	5
4	करसोग	15	3	3
5	धर्मपुर	20	29	29
6	गोपालपुर	20	31	30
7	द्रंग	10	9	9
8	चौंतड़ा	15	3	3
9	गोहर	10	25	9
10	सराज	10	0	0
11	बालीचौकी	10	0	0
	कुल	165	157	136

जल सरंक्षण एवम् प्रबंधन

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को जल संरक्षण एवम् प्रबंधन हेतु परियोजना स्वीकृत हुई है। इस बारे समिति कार्यालय में दिनांक 2 मई, 2017 को जल ही जीवन है के अतंर्गत एक दिवसीय कृषि जल दूत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन समिति कार्यालय के सभागार कक्ष, सौली खड्ड मंडी में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त मंडी ने की। मंडी जिला में 500 गांव में आम लोगों को इस दिशा में जागरूक किया जिसमें किसान क्लबों, महिला स्वयं सहायता समूहों, सहकारी सभाओं तथा आम जन विशेषकर महिलाओं को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा गया। मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के जलदूत ने 5मई से 15जून,2017 तक 500गांवों में शिविरों का आयोजन किया जिनमें जल संरक्षण हेतु सहभागी समितियों का गठन किया तथा लोगों को जागरूक किया।

- नाबार्ड स्थापना दिवस 11जुलाई 2017 को दिल्ली में मनाया गया जिसमें मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति के महिला कलाजत्था द्वारा स्वयं सहायता समूहों पर थीम सॉग प्रस्तुत किया गया जिसे वित्त मंत्री द्वारा सराहा गया।
- नाबार्ड स्थापना दिवस 14 जुलाई 2017 को क्षेत्रीय कार्यालय शिमला में मनाया गया जिसमें मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति के महिला कलाजत्था द्वारा स्वयं सहायता समूहों पर थीम साँग प्रस्तुत किया गया।
- नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों हेतु कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 19 जनवरी 2018 को मण्डी जिला को चार प्रशिक्षण स्वीकृत किये गये जिसमें बल्ह के लिए ब्यूटी पॉरलर, धर्मपुर के लिए अचार, करसोग के लिए सॉफट टवायज तथा बालीचौकी के लिए पर्स व बैग का प्रशिक्षण शामिल थे।
- नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों हेतु सुक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत 10 जनवरी 2018 को मण्डी जिला को 5 प्रशिक्षण स्वीकृत किये गये

जिसमें बल्ह, सुन्दरनगर व धर्मपूर के लिए सॉफट टॉयज तथा पटड़ीघाट के लिए बांस के उत्पाद तथा सराज के लिये लाहुली जुराब बनाने का प्रशिक्षण।

- धर्मपुर क्षेत्र के डरवाड़ के लिए एल.ई.डी.पी. परियोजना के तहत हल्दी बनाने की परियोजना की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

- 12 मार्च से 16 मार्च 2018 भुवनेश्वर में पर्यावरण बदलाव पर कार्याशाला में समिति की ओर से ललित शर्मा व तिलक राम चौहान ने भाग लिया।
- 12 से 14 मार्च 2018 तेलंगाना में वाटरशैड विषय पर कार्याशाला में समिति से सेवक राम व नरपत राम वर्मा ने भाग लिया।
- 30 मार्च 2018 को नाबार्ड द्वारा मण्डी जिला के करसोग के लिए किसान उत्पादक संघटनों के संवर्धन के लिए परियोजना स्वीकृत हुई है।

पुरस्कार

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को वर्ष 2016–17 के लिए स्वयं सहायता समूह प्रवर्तक संस्थान के रूप में पांचवी बार सर्व श्रेष्ठता का पुरस्कार मिला है। इसमें मंडी को हिमाचल प्रदेश की बेहतर संस्था के रूप में पुरस्कृत किया गया। समिति की तरफ से उपायुक्त संदीप कदम द्वारा यह पुरस्कार प्राप्त किया गया। नाबार्ड द्वारा आयोजित सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन होली डे होम में किया गया जिसकी अध्यक्षता मुख्यसचिव वी.सी फारका द्वारा की गई। समिति कला जत्था को विज्ञान भवन में बेहतरीन प्रस्तुती के लिये 40 हजार नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। बेहतर समूह श्रेणी में मुस्कान स्वयं सहायता समूह चडयाणा, ग्राम पंचायत दूदर, विकास खंड सदर को दिया गया।

सफल कहानियां

उड़ान स्वयं सहायता समूह

उड़ान स्वयं सहायता समूह गांव बुखलार ग्राम पंचायत थुनाग विकास खंड सराज का गठन मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा राष्ट्रीय कृषि और ग्राम विकास बैंक नाबार्ड द्वारा संचालित महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना के तहत किया गया हैं। समूह में 5 सदस्य हैं। शुरूआत में समूह की प्रति महिला 20/– रूपये बचत करती थी। एक साल के बाद समूह के सदस्य 50/– रूपये बचत राशि जमा करती हैं। समूह के पास आज तक कुल बचत 18 हजार रूपये है। पहली बार समूह ने राज्य सहकारी बैंक शाखा थुनाग से एक लाख रूपये का ऋण लिया तथा उसे तीन सदस्यों को दिया गया। इस ऋण राशि से समूह के एक सदस्य ने गाय खरीदी और थुनाग बाजार में होटलों में दूध बेचना शुरू किया। दूध की कमाई से 7500/– मासिक बचत उसकी होती थी। समूह की एक महिला सदस्य के घर पर रसोई गैस नहीं थी उसने कुछ पैसे से रसोई गैस खरीदी।

उसके उपरांत समूह ने दिनांक 10मार्च 2017 को बैंक से ऋण लिया। उस राशि से समूह के सदस्यों ने सब्जी उत्पादन का कार्य किया और समूह की अपनी दुकान थुनाग बाजार में खोली। उसमे समूह की सचिव रीना ठाकुर दुकान कार्य करती है तथा अन्य महिलाएं बाकि सब्जी को मंडी में भेजती हैं। समूह की सदस्यों का कहना हैं कि समूह से जुड़ कर हमें बहुत ही फायदा हुआ है और समूह के हर सदस्य को अच्छी आमदनी हो रही है।

श्री राधे स्वयं सहायता समूह की सफलता की कहानी

जिला मंडी के बल्ह खंड गांव बैहना में श्री राधे स्वयं सहायता समूह का गठन मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा राष्ट्रीय कृषि और ग्राम विकास बैंक नाबार्ड द्वारा संचालित महिला स्वयं सहायता परियोजना के तहत किया गया। समूह की प्रधान नर्वदा देवी व सचिव शकुंतला देवी है। समूह में कुल 10 महिलाएं हैं। समूह की महिला 200/–रूपये मासिक बचत जमा करती हैं। आज तक समूह की कुल बचत 70 हजार रूपये है। महिलाएं अपनी कुल बचत से जरूरतमंद महिलाओं को आपसी ऋण भी देती हैं। समूह का बचत व ऋण खाता हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा गागल में है। जहां से समूह द्वारा तीन लाख रूपये का ऋण दिनांक 23 मार्च 2018 को लिया गया है। समूह की महिलाओं को आमदनी बढ़ौतरी हेतु नाबार्ड द्वारा बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया था जिसका समूह की महिलाओं को बहुत लाभ हुआ । आज समूह की महिलाएं सामूहिक रूप से बैग बनाने व कपड़े सिलने का कार्य घरेलू स्तर पर कर रही हैं। तैयार माल को बेचने के लिए समूह द्वारा बेहना नामक स्थान पर एक दुकान किराये पर ली गई है। जिसमें दो महिलाओं को उत्पाद बेचने की जिम्मेवारी दी गई है। ये महिलाएं घरेलू कार्य के साथ साथ दुकान भी चलाती हैं। जिससे समूह को 6 से 7 हजार रूपये मासिक बचत होती है। आने वाले समय में समूह की महिलाएं इस कार्य को ओर भी बढ़ाना चाहती हैं। अगर समय समय पर समूह का मार्गदर्शन व प्रशिक्षण मिलता रहेगा तो यह समूह भविष्य में आर्थिक रूप से सशक्त बनकर दूसरे समूहों के लिए एक उदाहरण बन सकता हैं।

3.विभिन्न दिवसों का आयोजन

8सितंबर अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर समिति कार्यालय सौली खड्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, भारतीय जीवन बीमा निगम के वरिष्ठ प्रबंधक,विभिन्न विभागाध्यक्ष, समिति के कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्य, खंड समन्वयक,सहायक अभिकर्ता सहित कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता समिति के उपायुक्त एवम् अध्यक्ष संदीप कदम ने की। इस अवसर पर समिति द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन,मेरी लाडली में बेहतर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खंड बल्ह की ग्राम पंचायत लोहारा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह में उपायुक्त एवम् अध्यक्ष ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता डा. स्नेहल कदम उपाध्यक्ष रैडक्रॉस सोसायटी ने की। महिला दिवस पर विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्रधान, सचिव,वार्ड सदस्य ग्राम पंचायत लोहारा, समिति के सचिव ललित शर्मा, सचिवालय सदस्य राजेंद्र मोहन, जोगिन्द्र वालिया तथा कार्यकारिणी, साधारण सभा सदस्य, खंड समन्वयक बल्ह , सहायक अभिकर्ता बल्ह, महिला मंडलों की सदस्य, सहित सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन,मेरी लाडली में बेहतर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

4.विभिन्न बैठकों का विवरण

कार्यकारिणी/ साधारण सभा बैठकों का विवरण

क्र	कार्यकारिणी/साधारण सभा बैठक दिनांक	उपस्थिति
1	साधारण सभा बैठक 8मई,2017	27
2	कोर समूह बैठक 23 अगस्त,2017	7
3	कोर समूह बैठक 28 अक्तूबर,2017	7
4	साधारण सभा बैठक 16 फरवरी,2018	28

जिला स्तरीय खंड समन्वयकों की समीक्षा बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	उपस्थिति
1	1.4.2017	27
2	1.5.2017	28
3	1.6.2017	23
4	1.7.2017	19
5	2.8.2017	20
6	1.9.2017	20
7	3.10.2017	24
8	22.10.2017	21
9	1.11.2017	23
10	2.12.2017	32
11	1.1.2018	23
12	1.2.2018	23
13	6.3.2018	32
14	31.3.2018	26

राज्य स्तरीय बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	स्थान	प्रतिभागी
1	5.4.2018	भारतीय जीवन बीमा कार्यालय शिमला	1
2	9.4.2017	भारतीय जीवन बीमा कार्यालय शिमला	1
3	18.4.2017	भारतीय जीवन बीमा कार्यालय शिमला	1
4	21.4.2017	भारतीय जीवन बीमा कार्यालय शिमला	1
5	2.6.2017	भारतीय जीवन बीमा कार्यालय शिमला	1
6	13.7.2018	नाबार्ड शिमला	1

राष्ट्रीय स्तरीय बैठकों का विवरण

क्र	बैठक दिनांक	स्थान	प्रतिभागी
1	21.4.2017	नाबार्ड–जल संरक्षण चंडीगढ़	2
2	10-7-2017	नाबार्ड– विज्ञान भवन दिल्ली	1
3	3.1.2018	नाबार्ड –लखनउ	1
4	5.2.2018	अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क सम्मेलन,भुवनेश्वर उड़ीसा	6
5	10.3.2018	जल प्रबंधन कार्यशाला–तेलगाना	2

अध्ययन भ्रमण

क्र	बैठक दिनांक	स्थान	प्रतिभागी
1	10.2017	अजमेर (राजस्थान) –सुक्ष्म बीमा अध्ययन बारे	63
2	11.2017	अजमेर (राजस्थान) –सुक्ष्म बीमा अध्ययन बारे	

List of Bima Mitter Rajastathan Exposure

S.	Block	Code Numer	Name	Male/ Female	Age
1.	Sadar	181	Hans Devi	Female	35
2.	Sadar	187	Dama Devi	Female	39
3.	Sadar	155	Geena	Female	31
4.	Sadar	126	Narvada	Female	40
5.	Sadar	186	Uma	Female	48
6.	Sadar	144	Bhawna	Female	42
7.	Sadar	148	Nanda	Female	50
8.	Sadar	9001	Sunita	Female	32
9.	Sadar	9001	Rajnesh	Male	35
10.	Karsog	447	Semma Verma	Female	34
11.	Karsog	447	Jagdish	Male	29
12.	Karsog	447	Kamal Singh	Male	42
13.	Karsog	436	Reeta Kumari	Female	34
14.	Karsog	436	Virender Kumar	Male	35
15.	Karsog	458	Kamla	Female	27
16.	Karsog	443	Krishna	Female	38
17.	Karsog	421	Tawarku	Female	35
18.	Karsog	453	Uday Ram	Male	43
19.	Karsog	411	Gain Chand	Male	43
20.	Karsog	417	Thakur Singh	Male	45
21.	Karsog	448	Champa Devi	Female	37
22.	Karsog	452	Maina Devi	Female	40
23.	Karsog	472	Bihari Lal	Male	43
24.	Gopalpur	642	Jai Dev	Male	63
25.	Gopalpur	642	Kamla Devi	Female	49
26.	Gopalpur	642	Neetu Devi	Female	28
27.	Dharampur	9005	Yashwant Guleria	Male	43
28.	Dharampur	576	Om Prakash	Male	47

29.	Dharampur	575	Jagdish	Male	40
30.	Bali Chowki	1115	Purshotam Ram	Male	52
31.	Bali Chowki	9011	Keerta Devi	Female	46
32.	Bali Chowki	9011	Reena devi	Female	29
33.	Bali Chowki	1124	Kamla Devi	Female	28
34.	Bali Chowki	9011	Sita Devi	Female	21
35.	Bali Chowki	1101	Shakuntla Devi	Female	35
36.	Bali Chowki	9011	Padam Dev Thakur	Female	41
37.	Bali Chowki	9011	Dina Nath	Male	47
38.	Bali Chowki	9011	Poonam Thakur	Female	29
39.	Bali Chowki	1111	Piru Ram	Male	49
40.	Bali Chowki	1103	Mohan Bharti	Male	50
41.	Bali Chowki	1104	Dolma Devi	Female	40
42.	Balh	2014	Anjna	Female	39
43.	Balh	2014	Mohinder Singh	Male	42
44.	Balh	206	Kanta Devi	Female	45
45.	Balh	2002	Nand Lal	Male	45
46.	Balh	2006	Veena Devi	Female	48
47.	Balh	2006	Halya Devi	Female	53
48.	Siraj	1056	Rimpi Devi	Female	33
49.	Gohar	1009	Lalman	Male	43
50.	Siraj	1030	Champa Sharma	Female	37
51.	Nihri	1215	Kesri Devi	Female	38
52.	Drang	9009	Lata Goswami	Female	50
53.	Drang	764	Ranjna	Female	37
54.	Drang	765	Gyatri	Female	36
55.	Chauntra	9008	Dan Singh	Male	38
56.	Chauntra	9008	Tripta Devi	Female	35
57.	District	83040r015	Lalit Sharma	Male	43

58.	District	83040r015	Bhim Singh	Male	41
59.	District	83040r015	Devinder Kumar	Male	49
60.	District	83040r015	Kansi Ram	Male	44
61.	District	83040r015	Narender Sinngh	Male	30
62.	District	83040r015	Lovely	Male	28
63.	District	83040r015	Dagi Ram	Male	28

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन

इस कार्यक्रम के द्वारा समिति द्वारा नगर परिषद हमीरपुर में एक ,मंडी में एक व सुंदरनगर दो स्वयं सेवियों उपलब्ध करवाया गो है। समिति को इस योजना के तहत दो वर्ष में दो लाख रूपये आते है जिसमें से स्वयं सेवी को मानदेय दिया जाता है तथा वर्ष में केवल एक स्वयं सेवी से समिति को 4 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती हैं।

5.लेखा रिपोर्ट 2017–18

६.समाचार पत्रों की कतरने

कार्यशाला साक्षरता समिति कार्यालय में जल ही जीवन पर एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

120 जलदूत व 1500 सहायक जलदूत रखे जाएंगे

सिटी रिपोर्टर | मंडी

साक्षरता समिति कार्यालय में जल ही जीवन पर एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड की ओर से प्रायोजित व साक्षरता एवं जन विकास समिति की ओर संचालित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता डीसी मंडी संदीप कदम ने की।

मंडी: कृषि जल दूत प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल लोग।

डीसी संदीप कदम ने बताया कि पानी का संरक्षण आज सभी के लिए आवश्यक हो गया है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश व मंडी जिला में विभिन्न कारणों से पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे निपटने के लिए जल की एक-एक बूंद को बचाया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आमजन को जागरूक बनाकर व लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाकर ही इस दिशा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 3200 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के लिए प्रदेश में 120 जल दूत व15 हजार सहायक जलदूत चयनित किए जाएंगे।

यह कृषि जलदूत गांव-गांव में लोगों को जल संरक्षण व जल पुनराभरण एवं जल प्रबंधन के विषय में जागरूक करेंगे। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण व स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देने पर बल दिया। प्राकृतिक जल स्रोतों के उचित रख-रखाव ढलान खेती टपक सिंचाई एवं अन्य उपाय अपनाकर जहां एक ओर जल संरक्षण की दिशा में सहायता मिल सकती हैं। वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूती प्रदान की जा सकती है।

जिला में 500 गांव में आम लोगों को इस दिशा में जागरूक बनाएंगे। किसान क्लबों, महिला स्वयं सहायता समूहों, सहकारी सभाओं तथा आम जन विषेशकर महिलाओं को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक एमपी सिंह ने कहा कि जल संरक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को पानी की कीमत समझाते हुए इसका सदुपयोग करने को प्रेरित किया।

एससी शर्मा महाप्रबंधक ग्रामीण बैंक, एएन कपूर उपनिदेशक उद्यान, एआर शर्मा सेवानिवृत उपनिदेशक कृषि विभाग, आरएल शर्मा भू संरक्षण अधिकारी, समिति के सचिवालय सदस्य जोगेंद्र वालिया, समन्वयक भीम सिंह मास्टर ट्रेनर गजेंद्र शर्मा व सुरभि शर्मा सहित लगभग 70 लोगों ने भाग लिया।

२ मई, २०१७

Neelgagan
Date:
Page No.

जल की एक-एक बूंद को बचाना है आवश्यक : संदीप कदम

* साक्षरता समिति के जलदूत 5 से ग्रामीण क्षेत्रों में करेंगे शिविर आयोजित

मंडी, 2 मई (नीलम मेहता) : राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजित एवं मंडी साक्षरता व जन विकास समिति द्वारा एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। जल ही जीवन हैं के अतंर्गत यह कार्यशाला समिति कार्यालय के सभागार कक्ष सौली खड्ड मंडी में आयोजित हुई। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त मंडी संदीप कदम ने की। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि पानी का संरक्षण आज सभी के लिए आवश्यक हो गया हैं। वर्तमान में प्रदेश और मंडी जिला में विभिन्न कारणों से पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे निपटने के लिए जल की एक-एक बूंद को बचाया जाना आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आमजन को जागरूक बनाकर तथा लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाकर ही इस दिशा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 3200 कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम के लिए प्रदेश में 120 जलदूत तथा 15 हजार सहायक जलदूत चयनित किये जाएंगे। यह कृषि जलदूत गांव-गांव में लोगों को जल संरक्षण, जल पुनराभरण एवं जल प्रबंधन के विषय में जागरूक करेंगे। मंडी जिला में 500 गांव में आम लोगों को इस दिशा में जागरूक बनाएंगे। किसान क्लबों, महिला स्वयं सहायता समूहों, सहकारी सभाओं तथा आम जन विषेशकर महिलाओं को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा जायेगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक एमपी सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुये कहा कि जल संरक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को पानी की कीमत समझाते हुये इसका सदुपयोग करने को प्रेरित किया। इस अवर पर एससी शर्मा महाप्रबंधक ग्रामीण बैंक, एएन कपूर उपनिदेशक उद्यान, एआर शर्मा उपनिदेशक कृषि (सेवानिवृत), आरएल शर्मा भू-संरक्षण अधिकारी, समिति के सचिवालय सदस्य जोगिन्द्र वालिया, परियोजना समन्वयक भीम सिंह, मास्टर ट्रेनर गजेंद्र शर्मा व सुरभी शर्मा सहित कार्यशाला में 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

जल का महत्व समझाने को गांव-गांव आएंगे जलदूत

प्रदेश में 3200 कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित : डीसी

■ डीएनएस न्यूज. मंडी

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजित एवं मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा संचालित जल ही जीवन हैं के अतंर्गत एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन समिति कार्यालय के सभागार कक्ष सौली खड्ड मंडी में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संदीप कदम उपायुक्त मंडी ने की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पानी का संरक्षण आज सभी के लिए आवश्यक हो गया हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश और मंडी जिला में विभिन्न कारणों से पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे निपटने के लिए जल की एक-एक बूंद को बचाया जाना आवश्यक हैं। आमजन को जागरूक बनाकर तथा लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाकर ही इस दिशा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 3200 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। कार्यक्रम के लिए प्रदेश में 120 जल दूत तथा 15 हजार सहायक जलदूत चयनित किए जाएंगें। ये कृषि जलदूत गांव गांव में लोगों को जल संरक्षण, जल पुनराभरण एवं जल प्रबंधन के विषय में जागरूक करेगें। प्राकृतिक जल स्रोतों के उचित रखरखाव, ढलान खेती, टपक सिंचाई एवं अन्य उपाय अपनाकर जहां एक ओर जल संरक्षण की दिशा में सहायता मिल सकती हैं। वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूती प्रदान की जा सकती हैं। मंडी जिला में 500 गांव में आम लोगों को इस दिशा में जागरूक बनाएंगें। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक एमपी.सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जल संरक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को पानी की कीमत समझाते हुए इसका सदुपयोग करने को प्रेरित किया।

जल का महत्व समझाने को लगेंगे 500 शिविर

अमर उजाला ब्यूरो

मंडी।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तत्वावधान और मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की ओर से संचालित 'जल ही जीवन है' पर एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सौली खड्ड मंडी में किया गया। अध्यक्षता उपायुक्त संदीप कदम मंडी ने की। संदीप कदम ने कहा कि पानी का संरक्षण सभी के लिए आवश्यक हो गया है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश और मंडी जिले में विभिन्न कारणों से पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे निपटने के लिए जल की एक-एक बूंद को बचाया जाना आवश्यक है। आमजन को जागरूक बनाकर तथा लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाकर ही इस दिशा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड की ओर से जल संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 3200 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के लिए प्रदेश में 120 जल दूत तथा 15 हजार सहायक जलदूत चयनित किए जाएंगे। मंडी जिले में 500 गांवों में आम लोगों को इस दिशा में जागरूक बनाएंगे। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेंगे।

डीसी ने किया स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ

मंडी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत मंगलवार को हिमाचल प्रदेश में चार दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया गया। जिलास्तर पर इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त संदीप कदम ने इंदिरा मार्केट से किया। उपायुक्त संदीप कदम ने बताया कि 2 मई से 5 मई तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान के तहत जिले की सभी पंचायतों, गांवों और हर वार्ड स्तर पर सफाई करने के साथ-साथ जल स्रोतों और चिन्हित स्थलों पर साफ-सफाई की जाएगी।

जल संरक्षण के कार्यक्रम 2 मई से

गांवों में शिविरों के माध्यम से किया जाएगा लोगों को जागरूक

हिमाचल दस्तक। मंडी

◆ जिले भर में 3200 शिविरों का होगा आयोजन

जिला मंडी में लोगों को जल के महत्व को समझाने के लिए कृषि जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेंगे। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजित एवं मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा संचालित 2 मई को जल ही जीवन है के अतंर्गत एक दिवसीय कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता डीसी मंडी ने की। इस अवसर पर डीसी ने कहा उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश और मंडी जिला में विभिन्न कारणों से पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 3200 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के लिए प्रदेश में 120 जलदूत तथा 15 हजार सहायक जलदूत चयनित किए जाएंगे। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण तथा स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देने पर बल दिया। किसान कलबो, महिला स्वयं सहायता समूहों,सहकारी सभाओं तथा आम जन विशेषकर महिलाओं को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जलदूत 5 मई से 15 जून तक गांवों में शिविरों का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक एमपी सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जल संरक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को पानी की कीमत समझाते हुए इसका सदुपयोग करने को प्रेरित किया। और लोगो को इस मौके पर जनकारी दी जाएगी कि वह पानी का सदुपयोग करना सिखें ताकी जल की समस्या पैदा न हो।

जल संरक्षण का डाटा अब ऑनलाइन

देश के 300 जिलों के लिए विशेष योजना, प्रदेश के आठ जिले शामिल

■ अमन अग्निहोत्री, मंडी

देश के 300 जिलों में भूमिगत जल व प्राकृतिक जल स्रोतों को लेकर अब एक विशेष योजना लागू होगी। इस योजना के तहत 300 जिलों में जल प्रबंधन का डाटा पूरी तरह से ऑनलाइन किया जाएगा। इस योजना के तहत प्रदेश के भी आठ जिलों को चुना गया है। इस योजना के तहत अब जिलों के सैकड़ों गांवों में जल स्रोतों को लेकर सर्वे किया जाएगा, जिसके बाद उसकी असली तस्वीर सामने आएगी। इसके बाद केंद्र सरकार प्राकृतिक जल स्रोतों और अन्य जल स्रोतों को लेकर एक योजना तैयार करेगी। पूरे देश में इस योजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में देश के अन्य 292 जिलों के साथ ही मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, चंबा, सोलन, सिरमौर, किन्नौर और शिमला को इस योजना में लिया गया है। मंडी जिला में इस योजना के तहत 500 गांवों में यह सर्वे किया जाएगा। भारत सरकार की कृषि में जल संग्रहण योजना के तहत देश के 300 जिलों में यह प्रयोग किया जा रहा है, जिसके तहत इन गांवों में जल संग्रहण की स्थिति, जल स्रोतों की उपलब्धता से संबंधित सारी जानकारी ऐप के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचेगी। मंडी में इस योजना के तहत पांच गांवों को शामिल किया गया है। इस काम जिम्मा मंडी में स्वयंसेवी संस्था मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बिकास बैंक की ओर से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपायुक्त एवं समिति के अध्यक्ष संदीप कदम ने बताया कि मंडी के 500 गांवों में जल संरक्षण को लेकर जागरूक किया जाएगा। इसमें किसान क्लबों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी सभाओं तथा आम जन विशेषकर महिलाओं को इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाएगा। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के जल दूत इस दौरान जिला के 500 गांवों में शिविरों का आयोजन करेंगे, जिनमें जल संरक्षण के लिए सहभागी समितियों का गठन किया जाएगा।

दिव्य हिमाचल 9 मई, 2017

सूक्ष्म बीमा में जन विकास समिति देश में अव्वल

2018-19 में पड़ोसी जिलों में 20 हजार लोगों को जोड़ने के लक्ष्य

मंडी, (आपका फैसला)। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र में इस बार फिर देशभर में अव्वल स्थान हासिल किया है। समीति को बीमा करने, प्रथम प्रीमियम एवं बीमा गांव बनाने के तीनों वर्गों में देशभर में अव्वल आंका गया है। इस सम्मान को हासिल करने के पश्चात अब समीति चालू वित्त वर्ष में पड़ोसी राज्यों में 20 हजार लोगों को सूक्ष्म बीमा से जोड़ने के लक्ष्य पर काम करना शुरू करेगी। काबिलेगौर है कि मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति वर्ष 2009 से सूक्ष्म बीमा का कार्य कर रही हैं, समिति अब तक 1,03,757 व्यक्तियों की बीमा पॉलिसिंया बना चुकी हैं, जिसमें मंडी विकास अभियान के दौरान 53560 बीमा पॉलिसियां बनाई हैं। समिति के परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने बताया कि 2016-17 में समिति ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि वर्ष 2017-18 में समीति देश की शीर्ष 50 संस्थाओं में 20260 बीमा पॉलिसियां बनाकर प्रथम स्थान पर रही है। समिति द्वारा इस वर्ष जिला के 10 विकास खंडों में यह कार्य किया गया, जिसमें सबसे ज्यादा

प्रथम प्रीमियम व बीमा गांव बनाने में भी पूरे देश में प्रथम

कार्य सराज खंड में कुल-4090, बल्ह-2963, सदर-2338, करसोग-2105, गोपालपुर-2049, धर्मपुर-1646, चौंतड़ा-1474, सुंदरनगर-1463, गोहर-1187, द्रंग-904 कुल 20219 पालसिंया बनाई हैं। इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु समिति द्वारा जिला कार्यालय सौली खड्ड में 3 सैल गठित किये गये हैं। जिसमें प्रशासनिक, मार्केटिंक और शिकायत कक्ष है। किसी भी अभिकर्ता/ कार्यकर्ता या पालिसी धारक की कोई शिकायत हो तो वे मोबाइल नंबर 94181-64778 पर शिकायत कर सकता है। इस कार्य में जिला भर में 530 कार्यकर्ताओं को स्वरोजगार भी मिला है। चैतन्य संस्था सिकंदराबाद द्वारा 16952 बीमा पालसियां बना कर देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। समिति इस वर्ष भी बीमा गांव बनाने में देश भर में 73 बीमा गांव बनाकर प्रथम स्थान पर है और प्रथम प्रिमियम में भी प्रथम स्थान पर हैं। अब तक 509 मृत्यु दावें पालिसी धारकों के आश्रितों को दिये जा चुके हैं। 3445 लोगों को समय अवधि पूरा होने पर राशि वापिस मिल चुकी हैं। समिति के 530 सक्रिय बीमा मित्र इस कार्य को जिला मंडी में कर रहे हैं। इस कार्य में उपायुक्त मंडी, पंचायती राज संस्थाओं, महिला मंडलों का विशेष योगदान रहा है। समिति के सचिव ललित शर्मा ने कहा कि समिति द्वारा सामाजिक सुरक्षा अभियान के तहत शेष गांव तथा पड़ोसी जिला जिसमें कुल्लू, हमीरपुर, बिलासपुर में वर्ष 2018-19 में 20 हजार लोगों को जोड़ने का प्रयास करेगी। अब लोकमित्र केन्द्रों में भी सूक्ष्म बीमा का प्रिमियम जमा किया जा सकता है।

Date:
Page No.

उपलब्धि 1,03,757 लोगों का वीमा और 73 वीमा गांव [illegible] सिल क[illegible] पलब्धि

सूक्ष्म बीमा व बीमा गांव बनाने में मंडी साक्षरता समिति देश में अव्वल

जागरण संवाददाता, मंडी : साक्षरता, पर्यावरण एवं स्वच्छता में प्रदेश की सक्रिय संस्था मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति सूक्ष्म बीमा और गांव बनाने में देशभर में अव्वल रही है। सिकंदराबाद की चैतन्य संस्था दूसरे स्थान पर रही।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति वर्ष 2009 से सूक्ष्म बीमा का कार्य कर रही है। समिति अब तक 1,03,757 व्यक्तियों को बीमा पॉलिसियां बना चुकी है। मंडी जिला के 73 गांवों को बीमा गांव घोषित करवाने में समिति सफल रही है। हालांकि, वर्ष 2016-17 में समिति ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया था। वर्ष 2017-18 में देश की शीर्ष 50 संस्थाओं में 20260 बीमा पॉलिसियां बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया है।

सराज में सबसे अधिक पॉलिसी : समिति ने इस वर्ष जिला के 10 विकास खंडों में यह कार्य किया। इसमें मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह हलके सराज में कुल-4090 पॉलिसी बनी हैं। इसके अलावा बल्ह में 2963, सदर 2338, करसोग 2105, गोपालपुर 2049, धर्मपुर1646, चौंतड़ा 1474, सुंदरनगर1463, गोहर 1187, द्रंग 904 कुल 20219 पॉलिसियां बनाई हैं।

530 लोगों को मिला स्वरोजगार

समिति के 530 सक्रिय बीमा मित्र इस कार्य को जिला मंडी में कर रहे हैं। जो गांव-गांव जाकर लोगों को सूक्ष्म बीमा की जानकारी देने के अलावा लोगों का बीमा भी करवा रहे हैं। इससे 530 कार्यकर्ताओं को स्वरोजगार भी मिला है। अब तक 509 मृत्यु दावे पॉलिसीधारकों के आश्रितों को दिए जा चुके हैं। 3445 लोगों को समय अवधि पूरा होने पर राशि वापस मिल चुकी है। परियोजना समन्वयक भीम सिंह और समिति के सचिव ललित शर्मा ने कहा की समिति द्वारा सामाजिक सुरक्षा अभियान के तहत शेष गांव तथा पड़ोसी जिला जिसमें कुल्लू, हमीरपुर, बिलासपुर में वर्ष 2018-19 में 20 हजार लोगों को जोड़ने का प्रयास करेगी। सूक्ष्म बीमा का प्रीमियम जमा करने के लिए समस्त बीडीओ कार्यलय में प्रीमियम प्वाइंट खोले गए हैं तथा अब लोकमित्र केंद्रों में भी सूक्ष्म बीमा का प्रीमियम जमा किया जा सकता है। उपायुक्त एवं अध्यक्ष मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति ऋग्वेद ठाकुर ने समिति की इस सफलता पर बधाई दी है।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति सूक्ष्म बीमा पॉलिसी बनाने में देश में प्रथम

■ डीएनएस न्यूज. मंडी

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति वर्ष 2009 से सुक्ष्म बीमा का कार्य कर रही हैं। समिति अब तक 1,03,757 व्यक्तियों की बीमा पॉलसियां बना चुकी है, जिसमें मंडी विकास अभियान के दौरान 53560 बीमा पॉलसियां बनाई हैं। समिति के परियोजना समंवयक भीम सिंह ने कहा कि 2016-17 में समिति ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि वर्ष 2017-18 में देश की शीर्ष 50 संस्थाओं में 20260 बीमा पॉलसियां बनाकर प्रथम स्थान पर रही हैं। समिति द्वारा इस वर्ष जिला के 10 विकास खंडों में यह कार्य किया गया, जिसमें सबसे ज्यादा कार्य सराज खंड में कुल-4090, बल्ह-2963, सदर-2338, करसोग-2105, गोपालपुर-2049, धर्मपुर-1646, चौंतड़ा-1474, सुंदरनगर-1463, गोहर-1187, द्रंग-904 कुल 20219 पालसिंया बनाई हैं। इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु समिति द्वारा जिला कार्यालय सौली खड्ड में 3 सैल गठित किए गए हैं, जिसमें प्रशासनिक, मार्केटिंग और शिकायत कक्ष है किसी भी अभिकर्ता कार्यकर्ता या पॉलिसी धारक की कोई शिकायत हो तो वे मोबाइल नंबर 94181-64778 पर शिकायत कर सकता है। इस कार्य में जिला भर में 530 कार्यकर्ताओं को स्वरोजगार भी मिला है। देश में दूसरे स्थान पर चैतन्य संस्था सिकंदराबाद द्वारा 16952 बीमा पालसियां बनाकर दूसरे स्थान पर रही हैं। समिति इस वर्ष भी बीमा गांव बनाने में देश भर में 73 बीमा गांव बनाकर प्रथम स्थान पर हैं और प्रथम प्रिमियम में भी प्रथम स्थान पर हैं। अब तक 509 मृत्यु दावें प[illegible] धारकों के आश्रितों को दिए जा चु[illegible] 3445 लोगों को समय अवधि पू[illegible] पर राशि वापिस मिल चुकी हैं। स[illegible] 530 सक्रिय बीमा मित्र इस कार्य को [illegible] मंडी में कर रहे हैं। इस कार्य में [illegible] मंडी, पंचायती राज संस्थाओं, [illegible] मंडलों का विशेष योगदान रहा है। [illegible] के सचिव ललित शर्मा ने कहा की [illegible] द्वारा सामाजिक सुरक्षा अभियान के [illegible] शेष गांव तथा पड़ोसी जिला जिसमें [illegible] हमीरपुर, बिलासपुर में वर्ष 201[illegible] में 20 हजार लोगों को जोड़ने का [illegible] करेगी। सूक्ष्म बीमा का प्रिमियम [illegible] करने के लिए समस्त बीडीओ का[illegible] में प्रिमियम प्वाइंट खोले गए [illegible] अब लोकमित्र केंद्रों में भी सुक्ष्म [illegible] प्रिमियम जमा किया जा सकता है।

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने झटका पहला पायदान

◆ एक साल में 20260 लोगों की बनाई पॉलिसियां

हिमाचल दस्तक। मंडी

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने वर्ष 2017-18 में देश की शीर्ष 50 संस्थाओं में 20260 बीमा पॉलिसियां बनाकर पहला पायदान अर्जित करने में सफलता हासिल की है। दूसरा स्थान चेतन्य संस्था सिकंदराबाद ने प्राप्त किया है। समिति ने इस वर्ष भी पूरे देश भर में 73 बीमा गांव बनाकर बीमा गांव बनाने में भी प्रथम स्थान अर्जित किया है। यह उपलब्धि तीसरी बार हासिल की है। संस्था 2009 से सूक्ष्म बीमा पॉलिसियां बनाने का कार्य कर रही है और 9 साल में 1,03,757 लोगों की अब तक सूक्ष्म बीमा पॉलिसियां बनाई है और इसमें भी समिति को देश भर में पहला स्थान हासिल हुआ है। समिति के परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने बताया कि समिति इस बार भी पॉलिसियां बनाने में पहले स्थान पर रही है।

कहां, कितनी बनाई पॉलिसियां

सिराज खंड में 4090, बल्ह में 2963, सदर में 2338, करसोग में 2105, गोपालपुर में 2049, धर्मपुर में 1646, चौंतड़ा में 1474, सुंदरनगर में 1463, गोहर में 1187, द्रंग में 904 पॉलिसियां बनाई है। इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए समिति द्वारा जिला कार्यालय सौली खड्ड में 3 सैल गठित किए गए है। किसी भी अभिकर्ता/ कार्यकर्ता या पॉलिसी धारक की कोई शिकायत हो तो वे मोबाइल 94181-64778 पर शिकायत कर सकते हैं। वही, इस कार्य में जिले भर में 530 कार्यकर्ताओं को स्वरोजगार भी मिला है। समिति समन्वयक भीम सिंह ने बताया कि इस कार्य में डीसी मंडी, पंचायती राज संस्थाओं, महिला बढ़लो का विशेष योगदान रहा है। समिति के सचिव ललित शर्मा ने कहा कि समिति द्वारा सामाजिक सुरक्षा अभियान के तहत शेष गांव और पड़ोसी जिला कुल्लू, हमीरपुर, बिलासपुर में वर्ष 2018-19 में 20 हजार लोगों को जोड़ने का प्रयास करेगी। सूक्ष्म बीमा का प्रीमियम जमा करने के लिए समस्त बीडीओ कार्यालय में प्वाइंट खोले गए है और अब लोकमित्र केंद्रों में भी सूक्ष्म बीमा का प्रीमियम जमा किया जा सकता है।

बीमा गांव बनाने में देश में प्रथम स्थान का किया दावा

मंडी। साक्षरता एवं जन विकास समिति के पदाधिकारियों ने सूक्ष्म बीमा पॉलिसी और बीमा गांव बनाने में देश में प्रथम स्थान पर आने का दावा किया है। समिति का दावा है कि अब तक 1,03,757 व्यक्तियों की बीमा पॉलिसियां बन चुकी हैं। इसके अतिरिक्त मंडी जिले में समिति 53,560 बीमा पॉलिसियां बन चुकी है। यह पुष्टि परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने की है। कहा कि 2016-17 में समिति ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया। जबकि, वर्ष 2017-18 में देश की शीर्ष 50 संस्थाओं में 20,260 बीमा पॉलिसियां बनाकर प्रथम स्थान पर रही है। समिति की ओर से इस वर्ष जिले के 10 विकास खंडों में 20,219 पॉलिसियां बनाई गई। जिसमें सबसे अधिक सराज खंड में 4090, बल्ह में 2963, सदर में 2338, करसोग में 2105, गोपालपुर में 2049, धर्मपुर में 1646, चौंतड़ा में 1474, सुंदरनगर में 1463, गोहर में 1187, द्रंग में 904 पॉलिसियां बनाई है।

MSJVS कार्यकारिणी व साधारण सभा सदस्यों की सूची			
क्र.	**नाम**	**पद**	**मोबाईल**
1	श्री हेमंतराज वैद्य	अध्यक्ष	94181- 00333
2	श्री राजेंद्र मोहन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	94184- 94222
3	श्री जोगिन्द्र वालिया	उपाध्यक्ष	94180- 23354
4	श्री भीम सिंह	महासचिव	94180- 73190
5	डा. वीना वैद्य	सचिव	94184- 56803
6	श्री मुरारी शर्मा	सह सचिव	94180-25190
7	श्री तिलक राम चौहान	सह सचिव	94181-64779
8	श्रीमती सुनीता बिस्ट	सह सचिव	94180-85651
9	श्री ललित शर्मा	कोषाध्यक्ष	94181-64777
10	श्री भूपेंद्र सिंह	कार्यकारिणी सदस्य	94180-35530
11	श्री बीरबल शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य	94180-40040
12	डा. विजय विशाल	कार्यकारिणी सदस्य	94181- 23571
13	श्री नरपत राम	कार्यकारिणी सदस्य	94183- 71321
14	श्री एनआर ठाकुर	कार्यकारिणी सदस्य	94184- 83177
15	श्री नवल किशोर	कार्यकारिणी सदस्य	94186- 53288
16	श्री सेवक राम	कार्यकारिणी सदस्य	94181-64778
17	श्री कांशी राम	कार्यकारिणी सदस्य	94185-90074
18	श्री देवेंद्र कुमार	कार्यकारिणी सदस्य	94182-77268
19	श्री श्यामसिंह चौहान	साधारण सभा सदस्य	98170- 10786
20	श्री देश राज शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94181- 58281
21	डा. कमल प्यासा	साधारण सभा सदस्य	98821- 76248
22	श्री कुलदीप गुलेरिया	साधारण सभा सदस्य	94181- 44703
23	श्री संजीव ठाकुर	साधारण सभा सदस्य	94184-99553
24	श्री भगत सिंह	साधारण सभा सदस्य	94180- 37815
25	श्री खेमसिंह	साधारण सभा सदस्य	94184- 19729
26	श्रीमती मीरा शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94182-75772
27	श्रीमती जयंवती	साधारण सभा सदस्य	94186- 52243
28	श्री गजेन्द्र शर्मा	साधारण सभा सदस्य	94180-04088